फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

व्हाट्सएप के जरिये भी अपनी बातें हम तक पहुँचा कर चर्चा का दायरा बढायें। मजदूर समाचार फोन पर पायें और अपने ग्रुपों में भेज कर आदान-प्रदान बढायें। हमारे इस नम्बर पर व्हाट्सएप मैसेज भेजें : 9643246782

नई सीरीज नम्बर 366 दिसम्बर 2018

भराव से जब टकराया फैलाव

समोसे खा लिये? तृप्त हो गई? अब तो कुछ सोच दीजिये साथी।

मोहतरमा! किस पर?

दृश्यों के टकराव में, दृश्यों की बहस में कौनसा दृश्य विभिन्न दृश्यों को ओझल करने की फिराक में रहता है?

जो दृश्य हमारी क्षमता को, हमारे शब्दों को ओझल करने की फिराक में होता है वह हमारे बीच से निकलता है।

बीच से का मतलब? क्या आप कह रही हो कि हम ही इसका माध्यम हैं?

मैं माध्यम को आरोप या दोष के तौर पर नहीं कह रही। मेरा इशारा जीवन के पुनरुत्पादन, पुनरनिर्माण के कर्तव्य और दाब पर है।

मैं यहाँ पर थोड़ा खो रही हूँ। जीवन का पुनरनिर्माण क्या अब आत्मघाती हो चुका है?

साथी, यह तो बहुत-ही गम्भीर मोड़ पर आ गये। जीवन और उसके पुनरनिर्माण में एक विवाद हो रहा है। शायद यह विवाद पुराना है लेकिन अभी बहुत तीखा और तीव्र है।

हैलो। आप लोग कुछ मायूस विनाशकारी बातों में तो नहीं डूब रही हो?

कतई नहीं। यह जो सवाल है ना कि जीवन अपने को कैसे बनाये रखे यह विचार विभिन्न स्तरों पर और भिन्न उत्तेजनाओं के साथ हम सब में है। और यह जो "हम" शब्द बोल रही हूँ यह बहुत बड़ा है, बहुत-बहुत बड़ा है, सीमाविहीन है।

हम जब गत्तों पर अपनी बातें लिख कर नियमित तौर पर चौराहों पर बातचीत के लिये खड़े होते थे तब ऐसे लगता था कि हजार-लाख हमारे बीच से जा रहे हैं। हम होते थे कुछ लोग लेकिन हमारे हम का एहसास बहुत बड़ा लगता था। अभी भी लगता है कि फैला हुआ है और बह रहा है।

यह तो लगता है। एक दैनिक फैलाव, बहाव, और भराव में जीवन का एक रहस्य है। और मेरे दिमाग में इनके बीच वजन की बहुत बहस होती है। मैं सोचती रहती हूँ कि भराव करने के बाद फैलाव का आनन्द लेने के लिये समय और ऊर्जा बहुत कम बचते हैं।

ऐसा नहीं है। भराव से आपका इशारा खाना, पीना, ड्युटी। ये भी तो नजर में रखिये कि भराव का अपना एक सुलगना है जो जीवन के समझौतों को चीर देता है।

हाँ। साधारण-सा दबाव। थोड़ी सुरक्षित नीन्द, थोड़ी स्वस्थ ऊर्जा, दिमाग की थोड़ी कसरत, मन का थोड़ा गुनगुनाना। बाकी सब फैलाव, लेकिन भराव ही बहुत समय खा जाता है।

अरे साथी, बार-बार मायूस हो जाती हो। आपका मोबाइल फोन खोलो और देखो आपने कितने लोगों से कितनी तरह की कितनी देर तक कितनी बातें की। और आपका फैलाव कम है?

गम्भीर है मामला। सही बोल रहे हो। मैं तो अपने फैलाव के दृश्य को खुद ही गुम कर रही हूँ। यहीं से तो बात शुरू हुई थी ना कि दृश्यों को ओझल करने वाले दृश्य की फिराक हमारे अन्दर से ही गुजरती है।

अरे सुन! कुछ मैनेजमेन्टों ने तो एक बिजनेस मॉडल निकाला है। फैक्ट्री में फोन पकड़ो और जुर्माना लो।

यह है क्रूर बुद्धि। और क्रूर बुद्धि भी तो अपने को पुनरुत्पादित करती है। एक बात बता देती हूँ दोस्त, यही क्रूर बुद्धि का अपना पुनरनिर्माण जीवन के लिये घातक है। यह मान लो कि यह बहुत बड़ी टक्कर है, यह हर रोज लड़ी जा रही है।

आप क्या कह रही हो? क्या दृश्य बनता है इस टकराव से? और क्या दृश्य ओझल हो जाता है इस टकराव से?

यह थोड़ा जटिल है। एक दृश्य तो है लड़-लुड़ कर सब चले डूबने। इसको आप कह सकते हो सामुहिक आत्मघात। और इसके विपरीत हैं विभिन्न दृश्य सामुहिक जीवन, सामुहिक आनन्द, सामुहिक विलास के लिये।

माना-माना। एक सामुहिक विनाश अथवा अनेक सामुहिक विलास।

फिर बातें बोनस की

✶परमानेन्ट मजदूर, कम्पनी रोल पर कैजुअल वरकर, ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे मजदूर : बोनस कानून अनुसार सब मजदूरों का बोनस बनता है। सफाई कर्मी हो, ड्राइवर हो, माली हो, चाहे कैन्टीन वरकर हो, बोनस बनता है। ✶कम्पनी घाटा दिखाती है तब भी बोनस में एक महीने की तनखा और मुनाफा दिखाने पर बोनस में ढाई महीने की तनखा तक।

✶**बी सी एच इलेक्ट्रिक** (20/4 मथुरा रोड़, फरीदाबाद) फैक्ट्री में 100 से कम परमानेन्ट मजदूरों को बोनस 35-37 हजार रुपये। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे एक हजार वरकरों को बोनस नहीं।

✶**अर्जुन ऑटो** (235 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों को बोनस नहीं।

✶**क्यू एच टालब्रोस** (51 सैक्टर-3, आई एम टी मोनसर) फैक्ट्री में 90-95 परमानेन्ट मजदूरों की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट और उन्हें बोनस में 20,000 रुपये। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 400 वरकरो की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट और बोनस नहीं।

✶**जे बी एम ग्रुप** की फरीदाबाद में सैक्टर-24 और सैक्टर-59 स्थित फैक्ट्रियों में परमानेन्ट मजदूरों को बोनस 20 हजार रुपये से ज्यादा। इन फैक्ट्रियों में अधिकतर वरकर टेम्परेरी और इन्हें बोनस नहीं।

आई एम टी मानेसर में मारुति सुजुकी परिसर में स्थित जे बी एम फैक्ट्री में 500 टेम्परेरी मजदूरों को बोनस नहीं।

✶**ऋचा और गौरव समूह** की फैक्ट्रियों में कम्पनी रोल पर वरकरों को घाटे वाला बोनस, एक महीने की तनखा। लेकिन ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे प्रैसमैन, स्पाटिंग, धागाकटिंग मजदूरों को बोनस नहीं।

✶**हाई टेक इन्टरनेशनल** (18 सैक्टर-6, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 12 घण्टे की शिफ्ट में काम करते 200 वरकरों को बोनस नहीं।

✶**पी ए सी - प्रोडक्शन एण्ड कनसलटेन्ट्स** (120, 121, 130, 131 सैक्टर-59, फरीदाबाद) में मजदूरों को बोनस में 2500-4000 रुपये।

✶**सान इन्टरनेशनल** (203 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री दिवाली से पहले बन्द की और 5-600 मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

✶**एमटेक** (53-54 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 300 टेम्परेरी वरकरों को 12 घण्टे की शिफ्ट के बाद जबरन 24-36 घण्टे रोकते हैं और बोनस नहीं देते।

✶**जी के एन ड्राइवलाइन** (270 सैक्टर-24 फरीदाबाद) फैक्ट्री में परमानेन्ट मजदूरों को दिवाली से पहले बोनस दिया। लेकिन टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं दिया और 17 नवम्बर को भी कह रहे थे कि बात करेंगे।

✶**कलमकारी एक्सपोर्ट** (280, 345, 383 उद्योग विहार फेज-2, गुड़गाँव) फैक्ट्रियों में मजदूरों को बोनस नहीं।

✶**बजाज मोटर** (122 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 50 परमानेन्ट मजदूरों को बोनस में 25 हजार रुपये और 400 टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं।

✶फरीदाबाद स्थित **एस्कोर्ट्स समूह** की फैक्ट्रियों में ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे मजदूरों को बोनस नहीं दिया।

✶**भोरजी इलेक्ट्रोनिक्स** (107 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में सब मजदूरों को फिक्स बोनस, 20 हजार रुपये।

✶**ए जी इन्डस्ट्रीज** (8 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में तीन शिफ्टों में काम करते 40 परमानेन्ट मजदूरों को 25-30-35 हजार रुपये बोनस। ढाई सौ टेम्परेरी वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट और बोनस नहीं।

✶ऑटो पार्ट्स बनाती **ओमको इन्टरप्राइजेज** (30/4 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद) फैक्ट्री में काम करते 200 मजदूर दबाव बनाये रखते हैं। दबाव से पिछले वर्ष 16 हजार रुपये बोनस लिया था और इस साल भी 16 हजार लिये हैं।

रिश्ता सिर्फ काम का। उत्पादन के पेच कसना आमतौर पर असरदार। कानून के लिये पद वालों के कुछ ईमेल भी ट्राई करें।

मुख्य मन्त्री, हरियाणा	< cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा	< labour@hry.nic.in>
मुख्य मन्त्री, दिल्ली	< cmdelhi@nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली	< labjlc2.delhi@nic.in >
मुख्य मन्त्री उत्तर प्रदेश	< cmup@nic.in >
श्रम आयुक्त, उत्तर प्रदेश	<labourcom@nic.in>

और बातें यह भी

✶**एम ए डिजाइन** (ए-41 सैक्टर-80 नोएडा फेज-2) मैटल पॉलिश फैक्ट्री में टेम्परेरी वरकरों ने सुपरवाइजरों और मैनेजरों को खरी-खोटी सुनाई। साहब लोग डर गये। इधर नोएडा फेज-2 में ही स्थित मोबाइल फोन बनाने वाली फैक्ट्री में मजदूरों के विद्रोह ने एम ए डिजाइन साहबों के डर को बहुत बढा दिया है।

✶**रूप ऑटो** (439-40 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में मजदूरों के साथ इंजीनियर बदतमीजी करते हैं। प्लॉट 439 में तो एक सुपरवाइजर बहुत-ही दुर्व्यवहार करता है। छुट्टी गये कुछ वरकरों का पंच बन्द किया और उन्हें फिर ड्युटी ले लिया। लेकिन उनसे यह लिखवा लिया था कि बोनस आदि दे दिये हैं जबकि बोनस दिया नहीं।

✶**ओरियन लैदर** (90 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव) फैक्ट्री में जबरन नाइट लगवाते हैं। सुबह साढे नौ बजे से ड्युटी है और महीने में 10-12 रोज रात सवा तीन बजे तक रोकते हैं। ओवर टाइम के पैसे दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से।

✶**थीम एक्सपोर्ट** (एफ-25/1 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में 300 मजदूरों ने काम बन्द किया तब कम्पनी ने सितम्बर की तनखा दिवाली से पहले दी। अक्टूबर की तनखा 25 नवम्बर तक नहीं दी तो वरकरों ने काम बन्द कर दिया और 5 दिसम्बर तक उत्पादन बन्द था। वरकर ड्युटी के समय फैक्ट्री जाते हैं और अन्दर बैठ कर आते हैं।

✶**एयरटेक** (बी-70 ओखला फेज-2, दिल्ली) फैक्ट्री में नवम्बर में मैनेजमेन्ट बोली थी कि तनखा पर नहीं बल्कि पीस रेट पर काम करो। मैनेजमेन्ट किसी वरकर को राजी नहीं कर पाई। इधर नई चर्चा शुरू की है कि एक दिन छुट्टी करने पर दो दिन के पैसे काटेंगे।

✶ **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली में 1 नवम्बर 2018 से न्यूनतम वेतन :**

अकुशल श्रमिक — 14000 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक —15,400 रुपये
कुशल श्रमिक — 16,962 रुपये

दिल्ली में न्यूनतम वेतन नही देने पर संस्थानों की शिकायत के लिये श्रम विभाग, दिल्ली सरकार का फोन नम्बर : 155214. इस पर ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर नहीं करने की शिकायत भी कर सकते हैं।

✶ **उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2018 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :**

अकुशल श्रमिक — 7675 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक — 8443 रुपये
कुशल श्रमिक — 9457 रुपये

✶ **हरियाणा में 1 जुलाई 2018 से न्यूनतम वेतन :**

अकुशल श्रमिक 8540 रुपये मासिक
अर्ध-कुशल ब 9417 रुपये मासिक
कुशल ब 10,382 रुपये मासिक
उच्च कुशल श्रमिक 10,902 रुपये मासिक

दीर्घ असर

मारुति सुजुकी की गुड़गाँव तथा मानेसर फैक्ट्रियों में मैनेजमेन्ट तथा यूनियनों के बीच 2015 में हुये तीन वर्षीय समझौते में परमानेन्ट मजदूरों की तनखा में वृद्धि के संग ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकरों के वेतन में भी बढोतरी थी। लेकिन 7 महीने के लिये कम्पनी द्वारा भर्ती किये जाते टेम्परेरी वर्कमैन के वेतन में कोई वृद्धि नहीं की थी। मारुति सुजुकी की गुड़गाँव फैक्ट्री के टेम्परेरी वर्कमैनों के विद्रोह को थामने में मैनेजमेन्ट और यूनियन सफल रहे थे। लेकिन मारुति सुजुकी की मानेसर फैक्ट्री में यूनियन लीडरों द्वारा समझौता सुनाये जाने के अगले दिन सुबह की शिफ्ट में टेम्परेरी वर्कमैन फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये। ए और बी शिफ्ट के टेम्परेरी वर्कमैन फैक्ट्री गेट पर एकत्र हो गये थे। हड़बड़ाई मैनेजमेन्ट ने मारुति सुजुकी कम्पनी द्वारा गोद लिये 14 गाँवों से वाहनों में बन्दे बुलाये। ये लोग फैक्ट्री गेट पर टेम्परेरी वर्कमैन से उलझे। शान्ति स्थापित करने के नाम पर पुलिस सब टेम्परेरी वर्कमैनों को पकड़ कर थाने ले गई थी। फैक्ट्री में उत्पादन जारी रखने के लिये यूनियन ने मारुति सुजुकी मैनेजमेन्ट का पूरा सहयोग किया था। लेकिन टेम्परेरी वर्कमैन की अनुपस्थिति के कारण असेम्बली लाइनें रुक-रुक कर चली थी और उत्पादन प्रभावित हुआ था।

इधर 3 नवम्बर को मारुति सुजुकी मैनेजमेन्ट और यूनियनों के बीच हुये तीन वर्षीय समझौते में परमानेन्ट मजदूरों के मासिक वेतन में कुल 27 हजार 215 रुपये की वृद्धि की गई है। और... और 7 महीने के लिये भर्ती किये जाते टेम्परेरी वर्कमैन की तनखा में 1674 रुपये की बढोतरी की गई है तथा सात महीने बाद निकालने के समय 5250 रुपये प्रोत्साहन के नाम ।

जुर्माना

इकोकैट (प्लॉट 4, बीसवाँ मील पत्थर, मथुरा रोड़, फरीदाबाद) फैक्ट्री में टेम्परेरी वरकरों की जाँच में मोबाइल फोन पाने अथवा दो मिनट देर से फैक्ट्री पहुँचने पर मैनेजमेन्ट 500-1000 रुपये जुर्माना करती है। इस प्रकार अक्टूबर महीने में टेम्परेरी वरकरों की तनखा से कम्पनी ने 85 हजार रुपये काट लिये। विकास ग्रुप की इस कम्पनी ने टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं दिया।

सुरक्षाकर्मी

गार्ड हर रोज 12 घण्टे ड्युटी करते हैं, कभी दिन में तो कभी रात में। रिलीवर नहीं आये तो 36 घण्टे लगातार ड्युटी पर भी भोजन के पैसे नहीं देते। साप्ताहिक अवकाश नहीं। गार्ड महीने के 30-31 दिन, साल के 365 दिन ड्युटी करते हैं। आठ घण्टे की ड्युटी, साप्ताहिक अवकाश, ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से के कानून लागू करें तो एक गार्ड की तनखा अब जो देते हैं वह 4000-5000 रुपये पड़ती है। हेराफेरियाँ और कितनी होती हैं इन्हें गार्ड रोज देखते हैं — झपकी के 500 काट लिये, शेव नहीं तो पैसे काट लिये, आई कार्ड नहीं पहना तो पैसे काट लिये। गार्ड इस सेक्युरिटी के हों चाहे उस सेक्युरिटी के, इस सब के बारे में आपस में चर्चा करना बनता है।

✶**एस आई एस सेक्युरिटी** (कारपोरेट ऑफिस ओखला फेज-1, दिल्ली) कम्पनी भारत-भर में एक लाख के करीब गार्ड, ड्राइवर आदि सप्लाई करती है। दिल्ली में लालकिला, कुतब मीनार, एम्स, सफदरजंग अस्पताल जैसी गिनी-चुनी जगहों पर गार्डों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन। दिल्ली में अधिकतर गार्डों से एस आई एस सेक्युरिटी 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक अवकाश नहीं। आई सी आई सी बैंक में 10 से 26-28-30 तारीख तक गार्डों की पेमेन्ट भेजते हैं। अब तक ई एस आई तथा पी एफ काट कर 12 घण्टे प्रतिदिन ड्युटी पर महीने के 12,000 रुपये भेजते थे।

आई एम टी मानेसर में ड्युटी कर रहे एस आई एस सेक्युरिटी गार्डों को बोनस नहीं दिया। बोले कि हर महीने तनखा में देते हैं।

✶ **जी 4 एस गार्ड :** ओवर टाइम की स्लिप देती है कम्पनी लेकिन उसमें राशि ही दिखाती है, ओवर टाइम के घण्टे नहीं दिखाती। ओवर टाइम के पैसे कानून अनुसार दुगुनी दर से देने की बजाय सिंगल रेट से ग्रुप फोर कम्पनी देती है और ओवर टाइम के घण्टे नहीं दिखाना इस हेराफेरी को छिपाने के लिये है।

✶**जे एन सेक्युरिटी** (मुख्यालय कोटला, दिल्ली) के गार्ड दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश से पहले मार्च 2017 में घोषित नया ग्रेड ले-सा रहे थे : 8 घण्टे की ड्युटी लेकिन 26 की बजाय 30 दिन पर ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर 13,200 रुपये। हाई कोर्ट के आदेश के बाद साढे नौ हजार कर दी गई राशि की जगह अब यह गार्ड 13,500 तो लेंगे ही।

✶**पायल ग्रुप सेक्युरिटी** (मुख्यालय बी-86 ओखला फेज-2, दिल्ली) कम्पनी दसियों हजार गार्ड सप्लाई करती है— ओखला में ही करीब 3 हजार गार्ड। थोड़े गार्डों को चेक देते हैं जबकि अधिकतर को नगद पैसे देते हैं। जिन्हें कैश देते हैं उनकी ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, और महीने के तीसों दिन 12 घण्टे ड्युटी पर आठ-दस हजार रुपये।

✶आई एम टी मानेसर में **फोर्स टू सेक्युरिटी** कम्पनी द्वारा सप्लाई गार्डों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। महीने के तीसों दिन 12-12 घण्टे की शिफ्टों में ड्युटी। प्रतिदिन 12 घण्टे पर महीने के दिन में ड्युटी वाले गार्डों 10,000 रुपये और रात में ड्युटी वालों को 8-9000 रुपये।

✶**जी डी एक्स सेक्युरिटी** के 25 गार्ड **गुडईयर टायर** (मथुरा रोड़, बल्लभगढ) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। महीने में दो दिन छुट्टी और इन दो दिन के पैसे काट लेते हैं। गार्ड को प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 28-29 दिन के 14,000 रुपये।

✶**करण सेक्युरिटी** कम्पनी ने आई एम टी मानेसर में करीब 350 गार्ड सप्लाई किये हैं। गार्डों की प्रतिदिन 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। त्यौहारी अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर ई एस आई तथा पी एफ काट कर महीने के 10,500 रुपये नये गार्ड को और 12,000 पुराने गार्ड को। बोनस में मात्र 500 रुपये।

साझेदारी

✶आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— वीरवार, 3 जनवरी को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 2 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— शुक्रवार, 4 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में दिसम्बर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782
ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

सूचना

मजदूर समाचार के कई पाठक बहुत सारी प्रतियाँ स्वयं बाँटने के लिये लेते हैं। इससे वितरण नई-नई जगहों और सन्दर्भों में हो रहा है। आप हम से मिल कर अथवा व्हाट्सएप या फोन द्वारा सम्पर्क कर वितरण के लिये मजदूर समाचार की प्रतियाँ जरूर लें।

सामान्य हो रहे विद्रोह, सामान्य हो गये हैं
कारण : यह, वह, कोई भी

✶इधर नवम्बर-दिसम्बर में फ्रान्स में तीन सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शनों ने उग्र हिंसक रूप लिया। किसी का नेतृत्व नहीं, कोई लीडर नहीं। आपातकाल लागू करने का मन बनाते-बनाते रियायत दे कर फ्रान्स सरकार पीछे हटी है..... नोएडा में सैक्टर-63 में ए-134 सी स्थित **हायपैड टैक्नोलॉजी** फैक्ट्री में इस वर्ष अप्रैल में, फिर अक्टूबर में, फिर नवम्बर में कई बार बवाल।

सुबह की शिफ्ट 8 बजे आरम्भ होती है और 29 नवम्बर को सुबह पौने दस बजे के करीब हायपैड टैक्नोलॉजी फैक्ट्री में बड़ी सँख्या में वरकर एकत्र हो गये। डरे-सहमे 35 अधिकारियों ने फैक्ट्री में स्वयं को कैद कर लिया। समय पर सूचना के बाद भी मजदूरों को पुलिस नियन्त्रित नहीं कर सकी। कई थानों की पुलिस हायपैड टैक्नोलॉजी फैक्ट्री पहुँची थी। घबराई कम्पनी ने तीन दिन फैक्ट्री बन्द और 15 दिन उत्पादन बन्द की घोषणा की।

हायपैड टैक्नोलॉजी फैक्ट्री में 3200 टेम्परेरी वरकर ओप्पो, आईफोन, एम आई आदि के मोबाइल फोन असेम्बल करते हैं। काफी दिन से आग सुलग रही थी। कम्पनी ने बाउन्सर रखे। ठीक होने की आशा प्रबन्धन रखे रहा। फैक्ट्री के अन्दर 12 अक्टूबर को भी तोड़फोड़ हुई थी। कम्पनी ने वरकरों को दिवाली पर वार्षिक बोनस नहीं दिया.....

पुलिस अधिकारी, श्रम विभाग के असिस्टेन्ट लेबर कमिश्नर, कम्पनी सूत्र के अनुसार हायपैड टैक्नोलॉजी मैनेजमेन्ट ने ठेकेदार कम्पनियों को पहले ही सूचित कर दिया था कि कच्चे माल की कमी के कारण 150 वरकर सोमवार, 26 नवम्बर से फैक्ट्री नहीं आयें। शायद ठेकेदार कम्पनियों ने मजदूरों को यह सूचना नहीं दी इसलिये गलतफहमी हुई। वैसे भी, कानून अनुसार टेम्परेरी वरकरों को बिना पूर्व सूचना दिये कम्पनी कभी-भी निकाल सकती है.....

जिनके नहीं आने की बात थी वो मजदूर सोमवार, 26 नवम्बर को फैक्ट्री में गये। मंगलवार को भी फैक्ट्री में गये। बुधवार को भी फैक्ट्री में गये। वीरवार, 29 नवम्बर को वे वरकर सुबह 8 बजे हायपैड टैक्नोलॉजी फैक्ट्री पहुँचे तो उन्हें पंचिंग इन करने से रोक दिया गया। पौने दस बजते-बजते हजारों मजदूर एकत्र हो गये। विद्रोह।

नोएडा के असिस्टेन्ट लेबर कमिश्नर के अनुसार फैक्ट्री मैनेजमेन्ट ने उन्हें बताया कि हायपैड टैक्नोलॉजी कम्पनी ने ठेकेदार कम्पनियों को सूचित कर दिया था कि जिन मजदूरों को फैक्ट्री से बाहर किया जा रहा है उनके लिये एक प्रशिक्षण कार्यक्रम फैक्ट्री के निकट ही चलाया जायेगा। लेकिन बिजली की तंगी के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम तत्काल आरम्भ नहीं हो सका.....

असहाय आक्रोश : यह जँगली जानवर हैं। इनके हाथ-पैर तोड़ कर जेल में डाल दो। इन अकृतज्ञ को, इन नमकहरामों को गोली मार देनी चाहिये। यह तो पूर्ण अवज्ञा है। अच्छा मजदूर मृत मजदूर ही होता है।

और निडर मजदूर : विद्रोह में आनन्द। विद्रोह में उल्लास। हँसते मजदूर। कोई डर नहीं। अनेकों मजदूरों ने अपने-अपने मोबाइल फोन पर वीडियो बनाई। वरकरों ने जो किया उसकी वीडियो उन्हीं वरकरों ने सोशल मीडिया पर फैलाई। सी सी टी वी कैमरों का क्या काम बचा ? ! गुप्तचर विभागों का क्या काम बचा ?!

हर स्तर की सत्ता असहाय।

(जानकारियाँ 30 नवम्बर 2018 के दैनिक जागरण तथा टाइम्स ऑफ इण्डिया और मित्रों से।)

गारमेन्ट फैक्ट्रियों में रोने–धोने की एक झलक

✶गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-5 में प्लॉट 671-72-73 स्थित **शिवांक उद्योग लिमिटेड** फैक्ट्री में अक्टूबर से अप्रैल के दौरान सीजन होता है। सीजन मानी महीने में 200-250 घण्टे ओवर टाइम काम।

शिवांक उद्योग कम्पनी की इस फैक्ट्री में करीब 200 वरकर कम्पनी रोल पर हैं और 800-900 मजदूर दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। इनके अलावा महीने में 10-15 रोज तीसरी ठेकेदार कम्पनी के जरिये रात को 9 बजे से अगली सुबह 6 बजे तक काम करने के लिये 100-150 महिला मजदूर फैक्ट्री में लाई जाती हैं।

प्रोडक्शन विभाग में 300 टेलर पीस रेट पर हैं। इन मजदूरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। वार्षिक बोनस नहीं। सवेतन छुट्टी नहीं।

फैक्ट्री में तीन सैम्पलिंग हैं। सैम्पलिंग टेलरों के महीने में 180-200 घण्टे ओवर टाइम। हर रविवार को भी ड्युटी। ओवर टाइम का भुगतान दुगनी दर की बजाय सिंगल रेट से भी कम — तनखा को 26 से भाग देने की बजाय 30-31 से भाग करते हैं।

शिवांक उद्योग में कहने को शिफ्ट सुबह 9 बजे से साँय साढे पाँच बजे की है। बायर/कम्पलायन्स वाले महीने में एक-दो बार जाँच करने के लिये फैक्ट्री में आते हैं। मैनेजमेन्ट ने कह रखा है, कहती रहती है कि पूछने पर 8-9 घण्टे ड्युटी बताना और जो थोड़ा ओवर टाइम होता है उसका भुगतान दुगुनी दर से बताना अन्यथा यहाँ से निकाल देंगे तथा इन्टरनेट पर नाम डाल देंगे जिससे तुम्हारा कहीं काम नहीं लगेगा। वरकर डरते नहीं हैं सच्चाई बताने से लेकिन जाँच वाले और कम्पनी वाले चोर-चोर मौसेरे भाई हैं इसलिये उन्हें नहीं कहते। इस फैक्ट्री में रोज सुबह 9 से रात साढे आठ-साढे नौ तक काम करना। फिर महीने में 10-15 नाइट, यानी रात एक बजे तक काम करना। और फिर महीने में 3-4-5 फुल नाइट, मानी सुबह 9 बजे से अगली सुबह 6 बजे तक काम करना..... तीन घण्टे बाद फिर ड्युटी आरम्भ। मजदूरों के बैंक खातों में कम्पनी आधी से भी कम पेमेन्ट भेजती है और बाकी पैसे नगद देती है।

कम्पनी के रोल पर जो मजदूर हैं उनके ई एस आई तथा पी एफ 8 घण्टे, 26 दिन ड्युटी वाले नियम अनुसार। और तनखा पर जो वरकर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं उनका किसी महीने 10 दिन तो किसी महीने 15 दिन का पी एफ काटते हैं जबकि वे मजदूर पूरे महीने ड्युटी करते हैं। टोकने पर एच आर वाले कहते हैं कि बड़े साहबों का आदेश है।

फैक्ट्री में चार मंजिल हैं। ऊपरी मंजिल पर कैन्टीन। भोजन महँगा। स्टाफ वाले वहाँ खाते हैं। स्टाफ को कम्पनी चाय देती है लेकिन 12 घण्टे, 16 घण्टे लगातार काम करने के दौरान कम्पनी एक कप चाय मजदूरों को नहीं देती। जब फुल नाइट लगती है तब रात को एक बजे बाद मजदूरों को एक कप चाय कम्पनी देती है। नाइट लगने पर 40 रुपये और फुल नाइट पर 80 रुपये भोजन के वरकरों को कम्पनी नगद देती है।

शिवांक उद्योग में जनवरी व जुलाई वाला मँहगाई भत्ता नहीं देते। अगस्त में तनखा बढाने का रहता है — 2016 में 500 और 2017 में 1000 रुपये बढाये थे। इस वर्ष नवम्बर तक नहीं बढाये हैं — एरियर नहीं देते।

कम्पनी रोल पर जो मजदूर हैं उन्हें दिवाली पर कम्पनी घाटे में है वाला बोनस दिया, एक महीने की तनखा दी। और जो वरकर कम्पनी रोल पर नहीं हैं लेकिन तनखा पर हैं उन्हें बोनस के नाम पर 500 रुपये दिये।

कम्पनी की अन्य फैक्ट्रियों से भी माल फिनिशिंग और पैकिंग के लिये यहाँ आता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिज़ा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।